भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

05.08.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 2929 का उत्तर

पश्चिम बंगाल में एबीएसएस के अंतर्गत चिह्नित रेलवे स्टेशन

2929. श्रीमती माला राय:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के लिए चिह्नित रेलवे स्टेशनों की संख्या कितनी है;

(ख) उक्त परियोजना के लिए आवंटित निधि का स्टेशन-वार और परियोजना-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या सरकार द्वारा उक्त कार्य को पूरा करने के लिए कोई लक्ष्य तिथि निर्धारित की गई है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ): रेल मंत्रालय ने दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास हेतु अमृत भारत स्टेशन योजना शुरू की है।

इस योजना में भारतीय रेल के रेलवे स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और चरणबद्ध रूप में उनका कार्यान्वयन करना शामिल हैं। मास्टर प्लान बनाने में प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए निम्नलिखित कार्य शामिल किए गए हैं:

- रेलवे स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुँच में सुधार
- रेलवे स्टेशन का शहर के दोनों भागों के साथ एकीकरण
- रेलवे स्टेशन भवन में सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर-बूथों में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप चौड़े ऊपरी पैदल पुल/भूमिगत पैदल पार पथ का प्रावधान
- लिफ्ट/एस्केलेटर/रैम्प का प्रावधान
- प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार/प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान
- 'एक स्टेशन एक उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र का विकास
- दिव्यांगजनों के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- एयर कॉनकोर्स, एक्ज़ीक्यूटिव लाउंज, यातायात के साधनों का एकीकरण, भूसुदर्शनीकरण आदि की व्यवस्था।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और व्यवहार्यता के अनुसार संवहनीय और पर्यायवरण अनुकूल समाधानों आदि तथा दीर्घकालिक आधार पर स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की परिकल्पना की गई है।

अब तक, इस योजना के अंतर्गत विकास के लिए 1340 रेलवे स्टेशनों को चिह्नित किया गया है, जिनमें से 102 स्टेशन पश्चिम बंगाल में स्थित हैं। पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत विकास के लिए चिह्नित किए गए स्टेशनों के नाम निम्नलिखित हैं:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	102	आद्रा, अलीपुरद्वार जं., अलुआबारी रोड, अंबिका कालना, अनारा, अण्डाल जं., अंदुल, आसनसोल जं., अजीमगंज, बगनान, बल्ली, बालुरघाट, बंदेल जं., बनगांव जं., बांकुरा, बाराभूम, बारासात, बर्धमान, बैरकपुर, बेल्दा, बरहामपुर कोर्ट, बेथुयादाहारी, भालुका रोड, बिन्नागुड़ी, बिष्णुपुर, बोलपुर शांतिनिकेतन, बर्नपुर, कैनिंग, चंदन नगर, चांदपारा, चंद्रकोना रोड, दलगांव, दलखोला, दनकुनी, धुलियन गंगा, धुपगुड़ी, दीघा, दिनहाटा, दमदम जं., फालाकाटा, गरबेटा, गेडे, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, हरिश्चंद्रपुर, हासीमारा, हिजली, हावड़ा जं., जलपाईगुड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जंगीपुर रोड, झालिदा, झारग्राम, जॉयचंडी पहाड़ जं., कालियागंज, कल्याणी, कल्याणी घोषपारा, कामाख्यागुड़ी, कटवा जंक्शन, खगराघाट रोड, खड़गपुर जंक्शन, कोलकाता, कृष्णनगर सिटी जं., कुमेदपुर जं., मधुकुंडा, मध्यमग्राम, मालदा कोर्ट, मालदा टाउन, मेचेदा, मेदिनीपुर (मिदनापुर), नवद्वीप धाम, नैहाटी जं., न्यू अलीपुरद्वार, न्यू कूच बिहार, न्यू फरक्का जं., न्यू जलपाईगुड़ी जं., न्यू माल जं., ओंडाग्राम, पानागढ़, पांडबेश्वर, पंसकुरा जं., पुरुलिया जं., रामपुरहाट जं., राणाघाट, सैंथिया जं., सालबोनी, समसी, सांतरागाछी, सियालदह, शालीमार, शांतिपुर, श्योरफुली जं., श्रीरामपुर, सिलीगुड़ी जं., सीतारामपुर, सिउरी, सोनारपुर जं., सुईसा, तामलुक, तारकेश्वर, तुलिन, उलुबेरिया

<u>अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत पश्चिम बंगाल के स्टेशन जिनका कार्य पूरा कर लिया गया है:</u>

पश्चिम बंगाल में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं। पश्चिम बंगाल में उन स्टेशनों के नाम जहां कार्य पूरा हो गया है, निम्नलिखित है:

राज्य	स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों के नाम
पश्चिम बंगाल	13	अनारा, बाराभूम, दीघा, गड़बेता, हल्दिया, हल्दीबाड़ी, जलपाईगुड़ी रोड, जॉयचंडी पहाड़ जं, कल्याणी घोषपाड़ा, कामाख्यागुड़ी, पानागढ़, सिउरी, तामलुक

पश्चिम बंगाल के अन्य स्टेशनों पर भी विकास कार्य तीव्र गति से शुरू किए गए हैं और कुछ स्टेशनों पर कार्यों की प्रगति निम्नानुसार है:

- **आसनसोल जंक्शरन स्टेशन: दक्षिण विंग की नए स्टेशन भवन ब्लॉक नम्बर 4, उत्तरी विंग के भवन ब्लॉक 1, 2 और 3 का अवसंरचनात्मक कार्य पूरा कर लिया गया है। दक्षिण विंग की नई स्टेशन भवन ब्लॉक नम्बर 3 का अवसंरचनात्मक कार्य, 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल और एयर कॉनकोर्स के कार्य शुरु कर दिए गए हैं।**

- **न्यू जलपाईगुड़ी जंक्शन स्टेशनः दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, रेल मेल सेवा कार्यालय भवन और चौथे तल तक नए प्रस्थान स्टेशन भवन के संरचनात्मक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। मुख्य प्रवेश द्वार पर नए आगमन स्टेशन भवन का संरचनात्मक कार्य, नए**

प्रस्थान स्टेशन भवन की पांचवीं और छठी मंजिल का संरचनात्मक कार्य, पोडियम पार्किंग, एलिवेटेड रोड और एयर कॉनकोर्स के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

- अलुआबारी रोड स्टेशनः प्लेटफॉर्म नं. 2 के विस्तार का कार्य, प्लेटफॉर्म नं. 1 एवं 2 पर प्लेटफॉर्म सतह का सुधार, परिचलन क्षेत्र, पार्किंग, पहुँच मार्ग और चहारदीवारी के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 12 मीटर चौड़ा ऊपरी पैदल पुल, नया स्टेशन भवन ब्लॉक और प्लेटफार्म शेल्टर के सुधार कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- न्यू फरक्का जंक्शन स्टेशनः स्टेशन भवन के सुधार संबंधी कार्य, प्रतीक्षालय, शौचालय, प्रवेश बरामदा, संकेतक और रेलगाड़ी संकेत बोर्ड की संस्थापना के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। परिचलन क्षेत्र और पार्किंग के सुधार के कार्य शुरू कर दिए गए हैं।
- बर्धमान स्टेशनः दूसरे प्रवेश द्वार पर नए स्टेशन भवन, प्रवेश बरामदा, प्रतीक्षालय, बुकिंग काउंटर, शौचालय, प्लेटफॉर्म की सतह और प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। 6 मीटर चौड़े ऊपरी पैदल पुल परिचलन क्षेत्र के सुधार संबंधी कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

इसके अलावा, भारतीय रेल में रेलवे स्टेशनों पर विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण सतत और निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्य आवश्यकता, परस्पर प्राथमिकता और निधि की उपलब्धता के अध्यधीन शुरू किए जाते हैं। रेलवे स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्य स्टेशन की कोटि/स्थिति/सम्हाले जाने वाले यातायात आदि के आधार पर किए जाते हैं।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत शामिल रेलवे स्टेशनों के विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण का वित्तपोषण सामान्यतः योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत किया जाता है। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आबंटन और व्यय का ब्यौरा क्षेत्रीय रेल-वार रखा जाता है, न कि रेलवे स्टेशन-वार या राज्य-वार। पश्चिम बंगाल राज्य चार क्षेत्रीय रेलों अर्थात् पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर सीमा रेलवे, दक्षिण पूर्व

रेलवे और मेट्रो रेलवे के क्षेत्राधिकार में आता है। इन क्षेत्रीय रेलों के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1,231 करोड़ रुपए का आबंटन किया गया है, जिसमें से अब तक 471 करोड़ रुपए (जून, 2026 तक) का व्यय उपगत किया गया है।

रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल स्वरूप का होता है, जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए पेड़ों की कटाई, धरोहर, दमकल विभाग की स्वीकृति, विमानपत्तन संबंधी स्वीकृति इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। ये स्टेशन काफी समय से परिचालित हैं, इसलिए जनोपयोगी सेवाओं (जिनमें जल/सीवेज लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघनों को स्थानांतरित करने, यात्री संचलन को बाधित किए बिना रेलगाड़ियों के परिचालन, रेलपथ एवं उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के नजदीक किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउनफील्ड कार्य संबंधी चुनौतियां सामने आ रही हैं और ये कारक कार्य की प्रगति और कार्य के पूरा होने के समय को प्रभावित करते हैं।

*****